शिक्षा निदेशालय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
Directorate of Education, GNCT of Delhi
Suggestive Answer of Practice Paper 1
अभ्यास प्रश्न-पत्र 1 के सुझावात्मक उत्तर
कक्षा – XII
CLASS – XII
अर्थशास्त्र (030)
Economics (030)
सत्र – II (2021-22)
TERM II (2021 – 22)

अधिकतम अकं : **40** समय: **2** घंटे
Max Marks: 40 **Time: 2 hrs**

Q N. प्र. सं.	Expected Answer अपेक्षित उत्तर	Marks अंक
1	Real flow refers to the flow of the actual goods or services and factors services, While money flow refers to the payments for the factors of production (e.g. wages) and consumption expenditure. **OR** Capital goods are those final goods which help in the production of other goods and services. Example machinery purchased by a producer. Consumption goods refers to those goods which directly satisfy the wants of the consumers. For example - Milk purchased by households. **(Marked as a whole)** वास्तविक प्रवाह वास्तविक वस्तुओं या सेवाओं और कारक सेवाओं के प्रवाह को संदर्भित करता है, जबकि मौद्रिक प्रवाह उत्पादन के कारकों (उदाहरण मजदूरी) के लिए भुगतान और उपभोग व्यय के लिए मुद्रा के प्रवाह को संदर्भित करता है। अथवा पूंजीगत वस्तुएँ वे अंतिम वस्तुएँ हैं जो अन्य वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में सहायता करती हैं। उदाहरण के लिए एक उत्पादक द्वारा खरीदी गई मशीनरी। उपभोग वस्तुएँ उन वस्तुओं को संदर्भित करती हैं जो उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं की सीधे संतुष्ट करती हैं उदाहरण के लिए गृहस्थों द्वारा क्रय किया गया दूध। **(**एक साथ मूल्यांकित किया जाय**)**	**2** **2** **2** **2**
2	The value of Average propensity to consume(APC) can be greater than one. This is because total consumption can be greater than total income, due to autonomous consumption. **OR**	**2**

Consumption expenditure (Rs)	Saving (Rs)	Income (Rs)	Marginal propensity to consume
100	50	150	-
175	**75**	250	**75/100=0.75**
250	100	**350**	**75/100=0.75**

0.5×4

औसत उपभोग प्रवृत्ति (APC) का मान एक से अधिक हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि स्वायत्त उपभोग के कारण कुल उपभोग, कुल आय से अधिक हो सकता है। **2**

अथवा

उपभोग व्यय (रु.)	बचत (रु.)	आय (रु.)	सीमांत उपभोग प्रवृत्ति
100	50	150	-
175	**75**	250	**75/100=0.75**
250	100	**350**	**75/100=0.75**

0.5×4

3

The ratio of aggregate saving to aggregate income is known as average propensity to save (APS). Dividing aggregate saving by aggregate income, we get APS. **1.5**

Symbolically, APS = S/Y

The sum of APC and APS is equal to one.

APC + APS = 1 **0.5**

कुल बचत और कुल आय के अनुपात को औसत बचत प्रवृत्ति (APS) के रूप में जाना जाता है। कुल बचत को कुल आय से विभाजित करके हमें APS मिलता है। **1.5**

प्रतीकात्मक रूप से, APS = S/Y

APC और APS का योग एक के बराबर होता है।

APC + APS = 1 **0.5**

4

(i) Deforestation
(ii) Reduction in green cover
(iii) Misuse of cattle dung
(iv) Air pollution.
(v) Adverse effects on health.

(Any four) **0.5×4**

(i) वन-विनाश
(ii) हरित आवरण में कमी
(iii) मवेशियों के गोबर का दुरुपयोग
(iv) वायु प्रदूषण
(v) स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव

(कोई चार) **0.5×4**

5	Infrastructure is classified into two categories: i) Economic infrastructure: It refers to the infrastructure which helps in the process of production and distribution, it improves the quality of economic resources and thus raises productivity. Eg. Energy,transportation, communication etc. ii) Social infrastructure: All those facilities and institutions that enhance the quality of human capital are called social infrastructure.Eg.Schools, hospitals, housing facilities etc. **OR** Carrying capacity of environment' implies : 1.Resource extraction should remain below the rate of resource regeneration. 2.Generation of waste should remain within the absorption capacity of the environment. If these two aspects are not fulfilled, then the environment fails to perform its vital function of life sustenance and it leads to the situation of Environmental Crisis. आधारिक संरचना को दो वर्गों में वर्गीकृत किया गया है: i) आर्थिक आधारिक संरचना: यह उस आधारिक संरचना को संदर्भित करता है जो उत्पादन और वितरण की प्रक्रिया में मदद करता है, यह आर्थिक संसाधनों की गुणवत्ता में सुधार करके उत्पादकता बढ़ाता है। उदाहरण ऊर्जा, परिवहन, संचार आदि। ii) सामाजिक आधारिक संरचना: वे सभी सुविधाएं और संस्थाएं जो मानव पूंजी की गुणवत्ता को बढ़ाती हैं, सामाजिक आधारिक संरचना कहलाती हैं। जैसे स्कूल, अस्पताल, आवास सुविधाएं आदि। अथवा पर्यावरण की धारण क्षमता' से तात्पर्य है: 1.संसाधन निष्कर्षण संसाधन पुनर्जनन की दर से कम रहना चाहिए। 2. उत्पन्न अवशेष पर्यावरण की अवशोषण क्षमता के भीतर रहना चाहिए। यदि इन दोनों पहलुओं को पूरा नहीं किया जाता है, तो पर्यावरण जीवन पोषण के अपने महत्वपूर्ण कार्य को करने में विफल रहता है और यह पर्यावरण संकट की स्थिति की ओर जाता है।	**1** **1** **1** **1** **1** **1** **1**
6	From the consumption function C = 100 + 0.8Y, a)Autonomous consumption = Rs.100 (b) Slope of consumption function = MPC = 0.8 (c) At Break even point, C = Y 100 + 0.8Y = Y Y - 0.8 Y = 100 0.2Y = 100 Y = 100/0.2 = 500 Therefore Level of income at break even point = Rs.500 **OR** In such a situation the following change will occur. 1.This is the situation of aggregate Demand >Aggregate Supply (AD>AS) 2. Producers use up their existing stocks of inventory. Hence the inventory falls. 3. To maintain the desired level of inventory stocks, producers plan to produce more. 4. Increase in production leads to increased AS. 5. It continues until AD = AS. **(To be marked as a whole)** उपभोग फलन से C = 100 + 0.8Y, (अ) स्वायत्त उपभोग = रु.100 (ब) उपभोग फलन का ढाल = MPC = 0.8	**1** **2** **3** **1**

	(स) समविच्छेद बिंदु पर, C = Y 100 + 0.8Y = Y Y - 0.8 Y = 100 0.2Y = 100 Y = 100/0.2 = 500 इसलिए, समविच्छेद बिंदु पर आय का स्तर = ₹ 500 अथवा ऐसी स्थिति में निम्नलिखित परिवर्तन होगा। 1. यह समग्र मांग > समग्र आपूर्ति (AD > AS) की स्थिति है। 2. उत्पादक अपने मालसूची स्टॉक का उपयोग कर लेते हैं जिससे मालसूची में कमी आ जाती है। 3. मालसूची स्टॉक के वांछित स्तर को बनाए रखने के लिए, उत्पादक अधिक उत्पादन करने की योजना बनाते हैं। 4. उत्पादन में वृद्धि से AS में वृद्धि होती है। 5. यह तब तक चलता रहता है जब तक AD = AS नही हो जाता। **(**पूरा एक साथ अंकित किया जाय**)**	**2** **3**
7	In India the percentage of female workforce is lower as compared to males because: (i) Gender based social division of labour: It is assumed that men are meant to fulfill financial responsibilities and females are meant to take care of domestic chores. (ii) Female education in India is still a far cry, implying low opportunity for jobs. (iii) Among most of the families, job work for females is still governed by family decision rather than the individual's own decision. (iv) Many of the household activities that are done by women are not recognised as work. **(Any three relevant reason)** भारत मे पुरुषों की तुलना में महिला कार्यबल का प्रतिशत कम है क्योंकि: (i) श्रम का लिंग आधारित सामाजिक विभाजन: यह माना जाता है कि पुरुष वित्तीय जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए हैं और महिलाएं घरेलू काम-काज करने के लिए हैं। (ii)भारत में महिला शिक्षा अभी भी दूर की कौड़ी है,जिसके फलस्वरूप नौकरियों के अवसर कम मिलते हैं। (iii) अधिकांश परिवारों में, महिलाओं के लिए नौकरी का काम अभी भी व्यक्तिगत निर्णय के बजाय परिवार के निर्णय से नियंत्रित होता है। (iv) महिलाओं द्वारा किये जाने वाले घरेलू कार्यकलापों को काम के रूप में मान्यता नहीं दी जाती है। **(**कोई तीन उपयुक्त कारण**)**	**1** **1** **1** **1** **1** **1**
8	Since 1978, China began to introduce many reforms in phases. The reforms were initiated in the agriculture, foreign trade and investment sector. In agriculture, lands were divided into small plots which were allocated to individual households.They were allowed to keep all income from the land after paying taxes. In a later phase, reforms were initiated in the industrial sector. All enterprises which were owned and operated by local collectives in particular, were allowed to produce goods. Special economic zones (SEZs) were established. **(To be marked as a whole)** उत्तर- 1978 से चीन ने कई सुधारों को चरणबद्ध तरीके से लागू करना शुरू किया। सुधार कृषि, विदेश व्यापार और निवेश क्षेत्र में शुरू किए गए थे। कृषि में, भूमि को छोटे-छोटे भूखंडों में विभाजित किया गया जिसे अलग-अलग परिवारों को आवंटित किया गया। उन्हें करों का भुगतान करने के बाद भूमि से सभी आय रखने की अनुमति दी गई। बाद के चरण में, औद्योगिक क्षेत्र में	**3** **3**

	सुधार शुरू किए गए। विशेष रूप से स्थानीय समूहों के स्वामित्व और संचालित सभी उद्यमों को वस्तुओं का उत्पादन करने की अनुमति दी गई। विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना की गई। **(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)**	
9	The great Leap Forward campaign initiated in 1958 aimed at industrialisation of the country on a massive scale in rural areas. People were encouraged to set up industries in their backyards in rural areas. Communes were started under the Commune system in which people collectively cultivated lands. Campaign met with many problems - a severe drought caused havoc in China and killed about 30 million people. When Russia had conflict with China it withdrew its professionals who had earlier been sent to China to help the industrialisation process. **(To be marked as a whole)** चीन में ग्रेट लीप फॉरवर्ड अभियान देश के ग्रामीण क्षेत्रो में बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण के उद्देश्य से 1958 में शुरू किया गया। ग्रामीण क्षेत्र में लोगो को अपने घर के पिछवाड़े में उद्योग स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कम्यून पद्धति के अंतर्गत कम्यून्स शुरू किए गए जिसमे लोगों ने सामूहिक रूप से खेती की। अभियान कई समस्याओं के कारण सफल नही हो सका - गंभीर सूखे ने कहर बरपाया चीन में लगभग 30 मिलियन लोग मारे गए। जब रूस का चीन के साथ विवाद हुआ तो उसने अपने विशेषज्ञों को वापस बुला लिया, जिन्हें पहले औद्योगीकरण प्रक्रिया में मदद करने के लिए चीन भेजा गया था। **(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)**	**3** **3**
10	**Domestic income** - Domestic income is the sum total of factor incomes generated by all the production units located within the domestic territory of a country in an accounting year. It is totally a domestic concept which includes income earned by all the people within the domestic territory of a country, regardless of residents or non residents.It does not include Net Factor Income from Abroad (NFIA). **National income** - National income is defined as the sum total of factor incomes viz. rent, wages, interest and profit accruing to the normal residents of a country for their productive services in an accounting year. It deducts the income earned by the non-residents in the country which is remitted abroad, and adds the factor income earned by residents of a country from abroad. It includes Net Factor Income from Abroad (NFIA). Domestic income can be more than national income when the value of Net Factor Income from Abroad (NFIA) is negative घरेलू आय - घरेलू आय एक लेखा वर्ष के दौरान किसी देश के घरेलू सीमा में स्थित सभी उत्पादन इकाइयों द्वारा उत्पन्न कारक आय का कुल योग है। यह पूरी तरह से एक घरेलू अवधारणा है जिसमें किसी देश के घरेलू क्षेत्र में सभी लोगों द्वारा अर्जित आय शामिल है, चाहे वह देश के निवासी हों अथवा गैर-निवासी। इसमें विदेशों से शुद्ध साधन आय (NFIA) शामिल नहीं है। राष्ट्रीय आय **-** राष्ट्रीय आय को एक लेखा वर्ष के दौरान अर्जित उस कारक आय (जैसे किराया, मजदूरी, ब्याज और लाभ) के कुल योग के रूप में परिभाषित किया जाता है जो किसी देश के सामान्य निवासियों को उनकी उत्पादक सेवाओं के लिए दी जाती है । इसमें देश में गैर-निवासियों द्वारा अर्जित आय को घटाता है जिसे विदेशों में प्रेषित किया जाता है, और विदेशों से देश के निवासियों द्वारा अर्जित कारक आय को जोड़ा जाता है। इसमें विदेशों से शुद्ध साधन आय (NFIA) शामिल है घरेलू आय, राष्ट्रीय आय से अधिक हो सकती है जब विदेशों से शुद्ध साधन आय (NFIA) का मूल्य ऋणात्मक हो।	**1** **1** **1** **1** **1** **1**
11	The excess of aggregate demand over aggregate supply, at full employment level, is called inflationary gap.	**1**

	Inflationary Gap (FE) is the measurement of excess demand and is equal to the difference between Aggregate Demand beyond full employment (FM) and Aggregate Demand at full employment (EM). Inflationary Gap (FE) = FM - EM 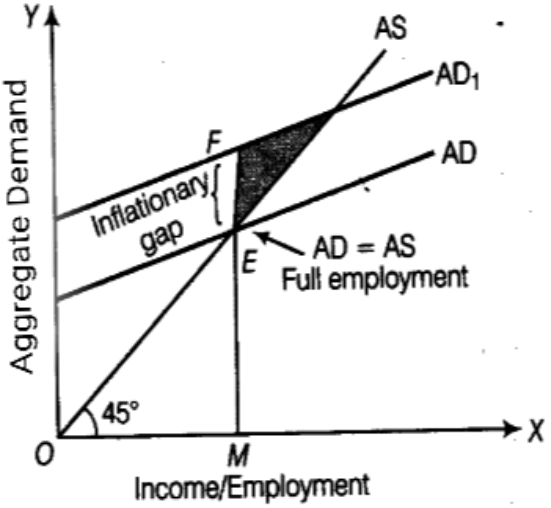 Two monetary measures to Correct the inflationary Gap : (1) Statutory Liquidity Ratio: SLR refers to a fixed percentage of the total assets of a bank in the form of cash or other liquid assets that are required to be maintained by the bank. During the Inflationary Gap, SLR is increased. This reduces the credit creation capacity of Commercial Banks and reduces the flow of money in the economy. As a result of that, the aggregate demand comes down and ultimately the economy attains equilibrium. (2) Repo rate: Repo rate is the rate at which the Central Bank lends money to the Commercial Banks for a short period. To correct the situation of Inflationary Gap, Repo Rate is increased. As a follow-up action, the Commercial banks raise the market rate of interest (the rate at which the Commercial Banks lends money to the consumers and the investors). This reduces demand for credit. Consequently, consumption expenditure and investment expenditure are reduced. Implying a reduction in Aggregate Demand, as required to correct inflationary Gap. पूर्ण रोजगार स्तर पर, समग्र पूर्ति की तुलना में समग्र मांग की अधिकता को स्फीतिक अंतराल कहा जाता है। स्फीतिक अंतराल (FE) अतिरिक्त मांग का माप है और पूर्ण रोजगार पर वास्तविक समग्र मांग (FM) और पूर्ण रोजगार स्तर हेतु आवश्यक समग्र मांग (EM) के बीच के अंतर के बराबर है। स्फीतिक अंतराल (FE) = FM - EM	1 1.5 1.5 1 1

	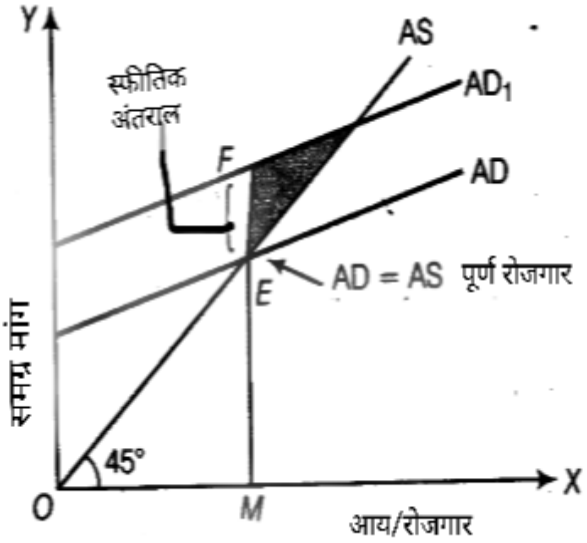 स्फीतिक अंतराल को ठीक करने के मौद्रिक उपाय: (1) वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) - एक बैंक की कुल संपत्ति का एक निश्चित प्रतिशत नकद या अन्य तरल संपत्ति के रूप में संदर्भित करता है जिसे बैंक द्वारा बनाए रखा जाना आवश्यक है। स्फीतिक अंतराल की स्थिति में एसएलआर को बढ़ाया जाता है। यह वाणिज्यिक बैंकों की साख सृजन क्षमता को कम करता है और अर्थव्यवस्था में मुद्रा के प्रवाह को कम करता है। इसके परिणामस्वरूप, समग्र मांग कम हो जाती है और अंततः अर्थव्यवस्था संतुलन प्राप्त कर लेती है। (2) रेपो दर: वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकाल के लिए राशि उधार देता है। स्फीतिक अंतराल को ठीक करने के लिए रेपो दर में वृद्धि की जाती है। जिसके कारण, वाणिज्यिक बैंक ब्याज की बाजार दर बढ़ाते हैं (वह दर जिस पर वाणिज्यिक बैंक उपभोक्ताओं और निवेशकों को पैसा उधार देते हैं)। इससे ऋण की मांग कम हो जाती है। परिणामस्वरूप, उपभोग व्यय और निवेश व्यय कम हो जाते हैं जो स्फीतिक अंतराल को ठीक करने हेतु समग्र मांग में कमी के लिए आवश्यक हैं।	**1.5** **1.5**
12	(a) Sales = Net value added at factor cost - Change in stock + Intermediate cost + Consumption of fixed capital + Net indirect tax = 300 - (-) 60 + 240 + 40 + (30 - 0) = 670 Sales = ₹ 670 Lakh. (b) (i) No, not included in national income as it is a transfer payment. It is not received by the factors of production. Hence, not a factor income. (ii) Yes, included in the estimation of national income because it is final investment expenditure of the firm/factory **OR** (a) NNPfc = Compensation of employees + Mixed income of self-employed + Operating surplus + Net Factor income from abroad = 1900 + 700 + 720 + (-20) = 3320 – 20 = Rs 3300 Crore (b) The end-use of the machines determines whether it is a Capital good or not. Capital goods are those fixed assets of the producers which are used in the process of production for several years and which are of high value. Therefore only those machines which are used for further production are capital goods. (अ) बिक्री = कारक लागत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि - स्टॉक में परिवर्तन + मध्यवर्ती लागत + अचल पूंजी का उपभोग + शुद्ध अप्रत्यक्ष कर = 300 - (-) 60 + 240 + 40 + (30 - 0) = 670	**3** **2** **3** **2** **3**

	बिक्री = ₹ 670 लाख। (ब) (i) नहीं, राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं है क्योंकि यह एक हस्तांतरण भुगतान है। यह उत्पादन के कारकों द्वारा प्राप्त नहीं होता है। इसलिए, एक कारक आय नहीं है। (ii) हां, राष्ट्रीय आय के आकलन में शामिल है क्योंकि यह फर्म/कारखाने का अंतिम निवेश व्यय है अथवा (अ) साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNPfc) = कर्मचारियों का पारिश्रमिक + स्वनियोजितों की मिश्रित आय + प्रचालन अधिशेष + विदेश से शुद्ध कारक आय = 1900 + 700 + 720 + (-20) = 3320 - 20 = रु 3300 करोड़ (ब) मशीनों का अंतिम उपयोग यह निर्धारित करता है कि यह पूंजीगत वस्तु है या नहीं। पूंजीगत वस्तुएं उत्पादकों की वे अचल संपत्तियां हैं जिनका उपयोग कई वर्षों तक उत्पादन की प्रक्रिया में किया जाता है और जो उच्च मूल्य के होते हैं। इसलिए केवल वे मशीनें जिनका उपयोग आगे के उत्पादन के लिए किया जाता है, पूंजीगत वस्तुएं हैं।	**2** **3** **2**
13	(a)The given statement is defended because India has availability of world class doctors and world class treatment at affordable prices.India is well with the hospitals having the state of art technology and strong Pharma sector. (b) Functions of environment are - 1.Provide resources for production - Environment supply renewable and non-renewable resources. The natural resources provided by environment are used as input for production. 2. Assimilates waste - The process of production and consumption activities generate a lot of waste, which is absorbed by the environment. 3. Aesthetic services - Environment includes land, forest, water bodies, rainfall, air, atmosphere etc. People enjoy the scenic beauty of these elements (like hill station). Such elements help in improving quality of life. 4. Sustain life - Some basic necessities of life (soil, water, air) are part of the environment. So a calm environment sustains Life by providing these Essential elements. **(Any three relevant functions)** (अ) दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है क्योंकि भारत मे विश्व स्तर के डॉक्टरों की उपलब्धता और सस्ती कीमतों पर विश्व स्तरीय उपचार उपलब्ध है। भारत में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और मजबूत फार्मा क्षेत्र वाले अस्पताल है। (ब) पर्यावरण के कार्य हैं - 1.उत्पादन के लिए संसाधन प्रदान करना - पर्यावरण नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय संसाधनो की पूर्ति करता है। पर्यावरण द्वारा उपलब्ध कराए गए प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग उत्पादन में आगत के रूप में किया जाता है। 2. अपशिष्ट को आत्मसात करता है - उत्पादन और उपभोग गतिविधियों की प्रक्रिया से बहुत अधिक अपशिष्ट उत्पन्न होता है, जिसे पर्यावरण द्वारा अवशोषित किया जाता है। 3. नैसर्गिक सेवाएं - पर्यावरण में भूमि, जंगल, जल निकाय, वर्षा, वायु, वातावरण आदि शामिल हैं। लोग इन तत्वों (जैसे हिल स्टेशन) की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेते हैं। ऐसे तत्व जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में मदद करते हैं। 4. जीवन को बनाए रखना - जीवन की कुछ बुनियादी जरूरतें (मिट्टी, पानी, हवा) पर्यावरण का हिस्सा हैं। तो एक शांत वातावरण इन आवश्यक तत्वों को प्रदान करके जीवन का निर्वाह करता है। **(**कोई तीन उपयुक्त कारण**)**	**2** **3** **2** **3**